मनमानी

कीचड़ के कारण मरीजों को लाने और ले जाने में हो रही दिक्कत

हर्रई से बेलघाट मार्ग दलदल में तब्दील

सड़क निर्माण सिर्फ फाइलों तक सीमित

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। 70 वर्षों की आजादी के बाद भी अनूपपुर जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विकास की सड़क अब भी दलदल में धंसी हुई है। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम मोहंदी से होकर गुजरने वाला हर्रई से बेलघाट मार्ग हर साल बरसात में कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे न वाहन जा पाते हैं और न ही राहगीरों का चल पाना संभव होता है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है जब मरीजों को इलाज के लिए कांवर में उठाकर ले जाना पड़ता है।

हर्रई से बेलघाट तक का यह रास्ता रैगड़ियाटोला, खोलटोला और नवाटोला जैसे गांवों को जोड़ता है, जिनकी आबादी 1000 से अधिक है। यहां 105 परिवारों की जिन्दगी बरसात के चार महीनों में घरों में कैद हो जाती है। रास्ते पर गाड़ियों का तो सवाल ही नहीं, लोग बाइके गांव से 3 किलोमीटर

पीएम सड़क योजना का निर्माण अब तक अधूरा

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हर्रई से रैगड़ियाटोला तक की 2.65 किमी सड़क को वर्ष 2024-25 में मंजूरी मिली है। मार्च 2025 में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। अनुमानित लागत 1.53 लाख रुपये तय की गई है, लेकिन काम अब भी शुरू नहीं हुआ है। विभाग का कहना है कि बरसात बाद निर्माण शुरू होगा, मगर ग्रामीणों को इस वादे पर अब भरोसा नहीं।

स्कूल, अस्पताल और बाजार पहुंचना बना चुनौती

गांव के बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते, बुजुर्गों और बीमारों की हालत और भी बदतर होती है। स्थानीय ग्रामीण ईश्वर नायक और गया राम सिंह ने बताया कि गांव में एंबुलेंस की सुविधा नहीं है और सड़क की हालत इतनी खराब है कि बीमार व्यक्ति को कंधे पर उठाकर ही स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना पड़ता है। कीचड़ में घिरे खेत, स्कूल और बाजार ग्रामीणों के लिए सपने जैसे रह गए हैं।

दूर छोड़कर कीचड़ में पैदल चलकर आते हैं

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत और यहां तक कि कलेक्टर तक आवेदन दिए, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से लोगों में गहरी नाराजगी है। चुनाव के समय किए गए वादे बरसात के साथ बह जाते हैं।

ग्रामीणों को बीमा योजनाओं से जोड़ने की पहल

ग्राम गोरसी में आयोजित किया गया जागरूकता शिविर

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व में जिले भर में बीमा योजनाओं के सैचुरेशन (समग्र कवरेज) के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत गोरसी में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना जैसी शासन की बीमा योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सीधे इन योजनाओं का लाभ दिलाना था। शिविर में नवीन बीमा पंजीयन के साथ-साथ पूर्व से संचालित बीमा पॉलिसियों का नवीनीकरण भी किया गया। कलेक्टर के निर्देश पर अग्रणी जिला प्रबंधक अनूपपुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बैंक शाखा प्रबंधक, कियोस्क प्रतिनिधि, बैंक सखी तथा अजीविका मिशन की टीम सक्रिय रूप से उपस्थित रही।

क्लेम प्रकरणों का वितरण भी किया गया

शासन स्तर से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को भी इन योजनाओं का लाभ दिए जाने के निर्देश हैं, जिसके चलते शिविर में इन समूहों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। विशेष रूप से गोरसी ग्राम के शिविर में जीवन ज्योति बीमा योजना व सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम प्रकरणों का वितरण भी किया गया, जिससे ग्रामीणों में सरकार व बैंकिंग प्रणाली के प्रति विश्वास और उत्साह का माहौल बना। शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और लाभ प्राप्त किया।

अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का खुलासा

मुख्य आरोपी घनश्याम की जमानत याचिका खारिज

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। थाना कोतवाली अनूपपुर क्षेत्र में ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट के माध्यम से ठगी और सट्टा रैकेट चलाने के मुख्य आरोपी घनश्याम बसोर की जमानत याचिका सत्र न्यायाधीश नरेंद्र पटेल की अदालत ने बुधवार को खारिज कर दी। आरोपी पर गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है और उसके खिलाफ चल रही विवेचना में अंतरराज्यीय गिरोह की संलिप्तता उजागर हुई है। जांच में सामने आया कि यह एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह है, जिसके अब तक 13 सदस्य गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जांच में सामने आया कि यह एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह है, जिसके अब तक 13 सदस्य गिरफ्तार किए जा चुके हैं। लोक अभियोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार, फरियादी दीपक राठौर से आरोपी घनश्याम बसोर और उसके साथी संस्कार जायसवाल ने संपर्क कर उसे आईआईएक्स और माई फेयर प्लेयर नामक गेमिंग वेबसाइट में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। आरोपियों ने दीपक को आश्वस्त किया कि निवेश की गई रकम को गेमिंग के माध्यम से दोगुना-तिगुना कर वापस किया जाएगा। इस झांसे में आकर दीपक ने 5000 नगद दे दिए, लेकिन इसके बाद संपर्क बंद हो गया। दीपक द्वारा थाना कोतवाली में की गई शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

कोयले को समतल करने में हो रही लापरवाही

जानलेवा हादसे की आशंका, कोल प्रबंधन एवं रेलवे प्रशासन मौन

कोतमा, नवभारत 30 जुलाई। कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल की जमुना कोतमा क्षेत्र की गोविंद साइडिंग से कोयला देश के विभिन्न हिस्सों में मालगाड़ी के माध्यम से भेजा जाता है, लेकिन इस प्रक्रिया में कोल प्रबंधन और रेलवे प्रशासन की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

जानकारी के अनुसार, गोविंदा साइडिंग से कोयले से लदी मालगाड़ियां जब देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भेजे जाने के लिए कोतमा रेलवे स्टेशन परिसर में रुकती हैं, तब मजदूर खतरनाक ढंग से मालगाड़ियों के ऊपर चढ़कर कोयले को समतल करने (लेवलिंग) का काम करते हैं। यह कार्य खुलेआम बिना किसी सुरक्षा उपकरण और दिशा-निर्देश के किया जाता है, जबकि उसी स्थान पर हाई वोल्टेज विद्युत तार फैले होते हैं, जो कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। मजदूरों द्वारा की जा रही यह जोखिमपूर्ण कार्यप्रणाली कोल प्रबंधन की लापरवाही और रेलवे प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर करती है। यह जानते हुए भी कि ओवरहेड वायर से करंट लगने का खतरा हमेशा बना रहता है, कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहा।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही

स्थानीय लोगों ने बताया कि सामान्यत: यह कार्य गोविंदा साइडिंग में ही किया जाना चाहिए, लेकिन वहां भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। कोतमा रेलवे स्टेशन परिसर में बिना सुरक्षा उपकरणों के कोयला लेवल करने से कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि यदि कोई बड़ा हादसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय प्रशासन से इस मामले पर त्वरित संज्ञान लेने की मांग की जा रही है ताकि मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

स्वामी शुकदेवानंद की पुण्यतिथि आज

अमरकंटक,नवभारत 30 जुलाई। श्रीयंत्र महामेरु मंदिर और आश्रम के प्रणेता परम पूज्य अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन श्री 1008 स्वामी शुकदेवानंदपुरी महाराज का 16 अगस्त 2018 में अपने सभी भक्तजनों, शिष्यों और प्रेमीजनों को छोड़कर मां नर्मदा के चरणों में लीन हो गए थे। 31 जुलाई गुरुवार श्रावण शुक्ल सप्तमी तिथि को श्रीयंत्र महामेरु मंदिर आश्रम प्रांगण में अध्यक्ष श्री 108 स्वामी शरदपुरी महाराज के सानिध्य में ब्रह्मलीन स्वामी शुकदेवानंद की सातवीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी। श्रीयंत्र मंदिर के प्रणेता अटल अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन स्वामी शुकदेवानंद महाराज ने श्रीयंत्र मंदिर बनाने की सोच उनके दिमाग की उपज है। यह श्रीयंत्र मंदिर वास्तव में श्रीयंत्र महामेरु शक्ति पीठ है। इस मंदिर का निर्माणाधीन कार्य 1991 से प्रारंभ है। इस मंदिर को भारतीय प्राच्य योग शोध संस्थान के तत्वावधान में बनाया जा रहा था।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत जैतहरी विकासखंड के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशा उन्मूलन का संदेश दिया और समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति के नारे और स्लोगन के माध्यम से उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया। सभी प्रतिभागियों ने नशा से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इस अभियान का नेतृत्व विकासखंड समन्वयक दिनेश सिंह चंदेल ने किया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहते हुए एक स्वस्थ और उज्ज्वल समाज निर्माण में सहयोग करें।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजेश कुमार प्रजापति, शिक्षक सोमल सिंह श्याम, आशा राठौर, जय सूर्य गुप्ता, रजनी पटेल, कामिनी शुक्ला, सावित्री बसंत, जयप्रकाश बैगा, मीराबाई राठौर सहित अन्य शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेरित किया।

शिवम यादव का सेना में चयन

जैतहरी, नवभारत 30 जुलाई।

नगर परिषद जैतहरी द्वारा संचालित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लाइब्रेरी एंड स्मार्ट क्लासेज में अध्ययनरत शिवम यादव का चयन भारतीय सेना में हुआ है। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम और नगर परिषद के शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रयासों का परिणाम है। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता और सीएमओ भूपेंद्र सिंह ने शिवम को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिवम ने अपनी सफलता का श्रेय लाइब्रेरी की पढ़ाई को दिया।

पाइप चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, 4 गिरफ्तार

एमएस रॉय सचिन जेबी कंपनी के कैंप से की गई थी चोरी

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। हर घर जल मिशन के तहत पाइप फिटिंग का कार्य कर रही एम.एस. रॉय सचिन जेबी पटना की कंपनी के कैंप से की गई पाइप चोरी की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और चोरी गया माल भी बरामद कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचनाकर्ता मुकेश कुमार पिता ओमप्रकाश आर्य, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम नेहुआपर, पोस्ट खैरा, थाना परवलपुर, जिला नालंदा, बिहार हाल मुकाम राइस मिल के पास, नंद कुमार धुर्वे का मकान ग्राम बेनीबारी थाना उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई। मुकेश कुमार ने बताया कि वह एमएस रॉय सचिन जेबी कंपनी पटना में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं।

कंपनी कर रही नल जल फिटिंग का कार्य

कंपनी पिछले तीन वर्षों से पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के 28 ग्रामों में हर घर जल मिशन के तहत नल जल कनेक्शन की फिटिंग का कार्य कर रही है। कंपनी का कैंप ग्राम तुलरा में गोविंद सिंह की जमीन पर है, जहां पाइप के कई बंडल रखे गए थे, जिनकी देखरेख स्वयं गोविंद सिंह कर रहे थे। 28 जुलाई को शाम लगभग 6 बजे गोविंद सिंह ने फोन कर सूचना दी कि एक पिकअप वाहन पाइप लोड कर रहा है। संदेह होने पर मुकेश कुमार ने अपने साथी सुपरवाइजर नीरज पाठक के साथ मौके पर जाकर देखा तो एक पिकअप वाहन वहां से एचडीपीई 75 एमएम के काले रंग के प्लास्टिक पाइप के दो बंडल अनुमानित कीमत 75,000 लेकर निकल चुका था।

वित्तीय घोटाले में लिप्त कर्मचारी को पदोन्नति

लगभग 3 करोड़ के भ्रष्टाचार के बाद भी मिला प्रमोशन, नपा पसान में आक्रोश

पसान, नवभारत 30 जुलाई। नगरपालिका परिषद पसान के एक पूर्व कर्मचारी पर लगभग 2.82 करोड़ की वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप तय होने के बावजूद उसे राजस्व उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति दे दी गई है। शासन के इस फैसले से नगरपालिका के कर्मचारियों और स्थानीय जनमानस में आश्चर्य और नाराजगी दोनों देखी जा रही है।

पूर्व सहायक राजस्व निरीक्षक मथुरा प्रसाद कोल पर वर्ष 1988 से 2022 तक की सेवा अवधि में भारी वित्तीय गड़बड़ी करने का आरोप है। आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्यप्रदेश द्वारा 25 अप्रैल 2024 को जारी पत्र में उन्हें हाइजेनिक मास्क, सेनेटाइजर, पीपीई किट, स्वच्छता सामग्री, एलईडी, विद्युत, स्टेशनरी, जल प्रदाय सामग्री आदि की फर्जी खरीदी और भुगतान, बिना टेंडर के सामान क्रय, जेम पोर्टल की अनदेखी जैसे मामलों में दोषी पाया गया। विभागीय जांच में यह खुलासा हुआ कि मथुरा प्रसाद कोल ने अपने कार्यकाल के दौरान लगभग 2,82,83,189 की गड़बड़ी की। इसके बावजूद उन्हें संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन शहडोल संभाग के निर्देशन में जिला चयन समिति की बैठक में पदोन्नत कर राजस्व उप निरीक्षक नियुक्त कर दिया गया। जांच में दोषी पाए गए कर्मचारी की पदोन्नति की अनुशंसा उसी नगरपालिका से की गई, जहां उन्होंने यह कथित घोटाला किया।

सजा देने के बजाय दिया इनाम

सूत्रों के अनुसार 4 जून 2025 को नपा पसान से पदोन्नति की अनुशंसा भेजी गई थी और जुलाई माह में प्रमोशन आदेश जारी कर दिया गया। इस फैसले ने नगरपालिका के अन्य कर्मचारियों में असंतोष पैदा कर दिया है। उनका कहना है कि जब एक घोटालेबाज कर्मचारी को सजा देने के बजाय इनाम दिया जाता है, तो ईमानदार कर्मचारियों का मनोबल टूटता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

उपेक्षा

शिवलहरा में पर्यटन विकास की डेढ़ करोड़ की योजना फाइलों में दबी, रामपथ गमन योजना से जुड़ा स्थल उपेक्षित

पांडवों के अज्ञातवास से जुड़ी ऐतिहासिक गुफाएं उपेक्षा का शिकार

अनूपपुर, नवभारत 30 जुलाई। जिले के भालूमाड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दारसागर में स्थित शिवलहरा की प्राचीन गुफाएं, जो पांडवों के अज्ञातवास से जुड़ी मानी जाती हैं, आज सुविधाओं के अभाव में उपेक्षा का दंश झेल रही हैं। इतिहास और श्रद्धा के समागम स्थल इन गुफाओं को न तो पर्याप्त संरक्षण मिल पाया और न ही वह पहचान, जिसकी वह हकदार हैं। मान्यता है कि इन गुफाओं का निर्माण प्रथम शताब्दी में हुआ था और पांडवों ने अपने अज्ञातवास का समय यहीं व्यतीत किया था।

गुफाओं में पांच अलग-अलग कक्षों जैसी आकृतियां भी पांडवों की उपस्थिति को दर्शाती हैं। भगवान शिव और हनुमान जी की मूर्तियों के कारण यह स्थान धार्मिक रूप से भी आस्थावान लोगों का केंद्र बना हुआ है। महाशिवरात्रि पर यहाँ मेला भी आयोजित होता है और सावन मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

विकास योजनाएं कागजों में सिमटी

शिवलहरा को रामपथ गमन मार्ग में शामिल किया गया है। इसके बावजूद इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल के विकास के लिए बनाई गई 1.5 करोड़ की पर्यटन विकास योजना अब तक सिर्फ कागजों में सिमटी हुई है। ग्राम पंचायत दारसागर के सरपंच पाल सिंह के अनुसार इस योजना के अंतर्गत चबूतरा, सांस्कृतिक मंच, मंगल भवन, स्नान घाट और शौचालय जैसी सुविधाओं के निर्माण का प्रस्ताव पर्यटन विभाग को भेजा गया था, परंतु गुफाएं वनभूमि क्षेत्र में स्थित होने के कारण वन विभाग की अनापत्ति न मिलने से कार्य शुरू नहीं हो पाया।

पुरातत्व की दृष्टि से है महत्वपूर्ण

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर आलोक श्रोत्रिय द्वारा वर्ष 2014 में किए गए पुरातात्विक सर्वेक्षण में यह गुफाएं अत्यंत महत्वपूर्ण बताई गई हैं। उन्होंने बताया कि इन गुफाओं का निर्माण स्वामीदत्त के शासनकाल में मूलदेव नामक व्यक्ति द्वारा कराया गया था। गुफाओं में साधुओं के ध्यान कक्ष, हाथी पर सवार व्यक्तियों की नक्काशी, यक्ष जैसी विशाल मूर्तियां और छत्रधारी राजकर्मियों के चित्र भी अंकित हैं, जो इसे राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिलाने योग्य बनाते हैं।

संरक्षण और विकास की दरकार

इतिहास, धर्म और संस्कृति का अद्भुत संगम होने के बावजूद शिवलहरा की गुफाएं अब भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही हैं। यदि शासन और प्रशासन इस ओर ध्यान दें, तो यह स्थल न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दे सकता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर भी अपनी पहचान बना सकता है।